RAJYA SABHA

Tvesday, the 6th December, 1983/ 15th Agrahayana, 1905 (Saka)

The House met at eleven of the Clock, Mr. Chairman in the Chair.

OBITUARY REFERENCE

MR. CHAIRMAN: Honourable Members must have learnt with profound sorrow the news of the passing away of our esteemed friend and colleague, Shri Sadashiv Bagaitkar, at Pune yesterday. It was only a few days back that the House had granted him leave of absence from its sittings during this Session and wished him early recovery. But God willed otherwise. Though he was sick, we never expected that his end would be so sudden. Shri Sadashiv Bagaitkar was born in November, 1923 at village Junnar of District Pune in Maharash-He cut short his educational tra. carrier and joined the freedom movement in the year 1939 at the young age of 16. He was imprisoned for 31 years during the Quit India movement. A staunch socialist, Shri Bagaitkar was a dedicated social worker and an active trade union leader. He worked steadfastly for the spread of adult education and removal of untouchability. He was associated with several trade union and kisan orga-Shri Bagaitkar's life was nisations. a life of self-abnegation, selfless service and dedication in the service of the poor, the exploited and the downtrodden. Elected to Rajya Sabha in 1978 Shri Bagaitkar was one of the most active and vocal Members of our House. The House will be poorer by his death. We deeply mourn the passing away of Shri Sadashiv Bagaitkar. I request Members to rise in their places and observe a minute's silence as a mark of respect to the memory of the departed.

(Hon. Members then stood in silence for one minute)

MR. CHAIRMAN: Secretary-General will convey to the members of the 1409 RS-1. bereaved family our sense of profound sorrow and deep sympathy.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Explosion of Atom Bomb by Pakistan

*181. SHRI RAMANAND YADAV: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Pakistan has recently exploded an atom bomb in Baluchistan;

(b) whether Government are also aware that Pakistan has received aircraft which can drop the atom bomb and has also improved the capability of its own aircraft for launching nuclear weapons; and

(c) if so, whether Government propose to reconsider its nuclear policy in the light of the above threat?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI R. VENKATARAMAN): (a) While there were some media reports that Pakistan had exploded a nuclear device in the mountain ranges near Quetta, Government have no reliable information in this regard.

(b) Government have no information to suggest that the aircraft received by Pakistan and those already in its inventory are capable of launching nuclear weapons.

(c) Government stand committed to the policy of using nuclear energy for peaceful purposes.

श्री रामानन्द यादव : मान्यवर, पाकि-स्तान ने सन् 1974 से स्वर्गीय भुटटो के टाइम से ही न्युक्लियर वेपनरी बनाने के सम्बन्ध में चिंतन करना शुरु किया। हाल ही में 13 जून, 1983 को पाकिस्तान ने रामको माउंटेन रेंज जो बिलोचिस्तान में पड़ता है वहां एक टनेल बनाया वहां उसने बम विस्फोट किया । हमारा कर्नाटक में जो मोनीटर करने का गौरी बिदनोर में सेंटर है उसने शायद पूरी रिपोर्ट भारत

to Question.

सरकार को दे दी है कि पाकिस्तान ने एटम बम का परीक्षण किया है। मान्यवर, पाकिस्तान ने एक जर्मन फर्म जिसका नाम सी ० ई० एस० काल थोप्ट है कम्पोनेंट सप्लाई करने के लिए एक कंट्रेक्ट साइन किया । मान्यवर, पाकिस्तान एटम बम बनाने के मामले में परीक्षण करने के मामले में हम लोगों से बहुत ही आगे चला गया है क्योंकि उसने सेन्ट्री क्यगल टेक्नीक ग्रपनाई है जिसमें कम समय लगता है और ग्रधिक क्षमता प्राप्त की जासकती है। इस टेक्नीक को बनाने के संबंध में पाकिस्तान ने हेग में स्विटजरलैंड की एक फर्म है उससे कानकन ऐपेरेटस टेक्नीक प्राप्त करने के लिए जो प्रेस्टीजन इंस्ट्रमेंट है ग्रौर भी कई तरह के इंस्ट्रमेंट सप्लाई करने का कंट्रेक्ट साइन किया है जो कम्पलीट चो चुका है। (व्यव-धान)

श्रो जगदम्बो प्रसाद यादवः सवाल क्या है (व्यवधान)

श्री रामानन्द यादवः कर रहे हैं, मबराते क्यों हैं ? (व्यवधान) जर्मन फर्म से भी (व्यवधान)

Why do you disturb me? If you disturb me, you cannot speak, Mr. Yadav.

डा० भाई महावोरः क्यों कि ग्राप उब को डिस्टर्व करते हैं (व्यवधान)

श्री रामानन्द यादव : इसका मतलब है प्राप लोगों का राष्ट्र के प्रति कोई प्रेम नहीं है । छी-छी । मैं तो केवल अफसोस जाहिर करता हूं आपके इस आचरण पर । It means you have no interest of the nation. जर्मन फैंपे से भी (व्यवधान) MR. CHAIRMAN: Why do you dis-

turb others?...(Interrutpions).

SHRI RAMANAND YADAV: I know your new alliances. You have become friends of America and Pakistan is a friend of America. That is why this is irritating you. श्री सभापति : ग्रब ग्राप काहे को एटम बम छोड़ रहे हैं (व्यवधान)

श्री रामानन्द यादवः मान्यवर, एक डच फर्म है उसने भी पाकिस्तान को न्यू-क्लियर वारहेड सप्लाई करने के लिए मदद की है। मान्यवर, य० एस० ए० का जो पालिसी मेकर है जो बराबर मोनीटर करता है रिसर्च करता है कि कौन-कौन देश कहां कहां यरेनियम एनरिच कर रहा है उसके संबंध में भी भ्रमरीका को भी विश्वास हो गया है कि पाकिस्तान यरेनियम एनरिच करने की पद्धति ो प्राप्त कर चका है। मान्यवर, आगा शाही भृतपूर्व विदेश मंत्री जो पाकिस्तान के थे उन्होंने भी कहा था कि पाकिस्तान कभी कमिटमेंट नहीं करेगा कि एटम बम नहीं बनाएगा । तो मैं सरकार से चार बातों की जानकारी हासिल करना चाहता हं। (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please do not disturb. Let him have his say.

SHRI RAMANAND YADAV: I am putting my question ... (Interruptions).

MR. CHAIRMAN: Dr. Bhaj Mahavir, when you stand up, you take half an hour. Why don't you give him five minutes?

SHRI RAMANAND YADAV: Yes, he takes the longest time. क्या सरकार को मालम है छि...

श्री जगदीश प्रसः द माथुर: यादव जी क्वेश्चन पूछ रहे हैं (व्यवधान)

श्री रामानन्ध यादवः बेहया लोगों को नैं क्या कहूं। इनका देश के प्रति कोई प्रेम नहीं है।

In spite of your repeated requests, they are not keeping silent. That is why I am using the word 'behaya'.

3

MR. CHAIRMAN: You withdraw it.

श्री रामानन्द यादव : ग्रच्छा मैं लौटा लेता हूं ।

श्री सभापति : बड़े शर्मीले हैं यह लोग।

श्री रामानन्द यादवः अच्छा यही कह देता हं कि यह शर्मीले नहीं हैं।

SHRI SURESH KALMADI: You have the taste of your ow_n medicine. Take it sometime.

श्री रामानन्द यादव : मैं सरकार से पांच बातों की जानकारो हासिल करना चाहता हं । पहली बात यह है कि क्या सरकार को मालूम है कि पाकिस्तान क्वेटा में यूरेनिथम को एनरिव करने की रिसर्च कर रहा है। दूसरे मैं सरकार से यह जानना चाहता हं कि क्या सरकार को मालुम है कि अमरीका और चीन की सहायता से पाकिस्तान ग्रपनी पनडुब्बियों को, हवाई जहाजों को न्यक्लियर वेपन केरी कर के ड़ाप करने और मिसाइल छोडने को पद्धति से सुसरिजत कर रहा है और सूसज्जित कर चुका है ? तीसरे, क्या सरकार को यह मालूम है कि हिन्द महासागर में <mark>ग्रम</mark>रीका की पनडब्बियां न्यूक्लियर वेपन रख कर घुम रही हैं। क्या सरकार को यह मालूम है कि तिब्बत में चीन ने मिसाइल लांचिंग पेड स्थापित कर दिया है ? लास्ट, क्या ऐसी सूरत से जब कि पाकिस्तान एटम बम बनाने की पद्धति जान गया है, अमरीका हर तरह से उसे मदद कर रहा है, मिसाइल दे रहा है, क्या सरकार भारत की फौज को भी पाकिस्तान की फौज से अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए अपनी सेना को को भी न्यूक्लियर वेपन से सुसज्जित करने की सोचती है ?

श्री समापतिः जवाब दिया है कि नहीं करेंगे ? MR. CHAIRMAN: Yes, Mr. Minister.

SHRI MANUBHAI PATEL: Sir, let him repeat the question. There are so many questions; so, let him repeat them.

SHRI RAMANAND YADAV: No, Sir. This is the first question.

SHRI R. VENKATARAMAN: Sir, I was not sure that the honourable Member had finished.

MR. CHAIRMAN: Yes, you are quite correct.

SHRIR. VENKATARAMAN: Sir, I am sure everybody wants to know the answer to this important question and I shall try to give as much as possible the information that I can give to the House.

Sir, the Government is aware that firms in a number of countries have been providing certain items of equipment which will go to manufacture the bomb. I have got a list of those countries which have supplied this kind of equipment: United Kingdom, the Federal Republic of Germany, Switzerland, Italy, Belgium, Canada, Turkey Netherlands, France and Dubhai. Therefore, the honourable Member is partially right when he says that a number of countries are trying to give various types of equipment which will go to help in the manufacture of nuclear warheads. The honourable Member then asked a series of questions. He asked whether the Government is aware that Pakistan is having enrichment of uranium at Kahuta. The Government: has information to that effect. The Government has information that Pakistan is trying to go through а process of enriching uranium at one of their stations and whether it is Kahuta or not, I do not know. But we have information that they are having this kind of activity pursued.

Then, Sir, the honourable Member asked whether China and America are

to Questions

निकेशन ग्रौर हवाई जहाज को डिटेक्ट **कर**ने के लिये पनडुब्बी को सम<u>द</u> में देखने के लिये कैंसेट दिया है जो हवाई जहाज में ग्रौर पनडुब्बी में रहेगा। यह उसे प्रदान किया है जिस से वह चार पांच सौ मील दूर तक देख सकेगा और हवाई जहाज में एफ 16 में वह कैसेट रहेगा तो नीचे जिस एरिया में वह उड़ता है उस का वह मेप ले लेगा स्रौर पता लगा लेगा कि 500 मील की दूरी पर जहां उस को ग्रटैक करना है वहां क्या तैयारी हो रही है और क्या आक्रमण किया जा सकता है वहां की गतिविधि ्या है। इस का ग्रंदाजा उस को हो जायगा स्रीर यही नही बह कैसेट उस एयर कैंग्ट के पायलट को क्या करना है इस की गाइडेंस भी उस को देगा । तो इस तरह से उपकरण ग्रमरीका ने पाकिस-' तान को प्रदान किये हैं।

SHRI A. G. KULKARNI: H_e should be appointed military adviser. Bara gyan hai. (Interruptions)

श्री रामानन्द यादव : तो ऐसी हालत में क्या भारत सरकार मानती है कि मिलिटरी पावर ग्राज पाकिस्तान के पक्ष में टिल्ट कर गयी है । मेरे कहने का मतलब यह है कि पाकिस्तान की मिलिटरी पावर ग्राज भारत से दस गुना ग्रधिक बढ़ गयी है इस बात को मानना होगा ग्रौर जितने इक्विपमेंट उस को मिले हैं ...

श्रो सभापतिः यह तो ग्राप की राय है। ग्राप सवाल पुछिये।

श्री रामानन्द यादव : मैं सवाल पूछता हूं कि जब पाकिस्तान हर स्रोतों से हथियार प्राध्त कर सकता है तो क्या भारत सरकार भी अपने किसी मित्र देश से जैसे सोवियत रशा से आधुनिक एले-क्ट्रानिक इक्विपमेंट और न्यक्लियर इक्विप-

helping them. Well, it is two wide a question. Helping means in what direction, we do not know. But this much I can say that the information that we have does not suggest that submarines are equipped with nuclear warheads. We do not have that information and there I will have to say that whatever information is available in the published material like the Jane's Book, International Defence Digest, and so on, is the information from which we also get it. The next question he asked is about nuclear weapons. Even on that we have no information, whether any missile pad has been set up in Tibet. A missile can also be a nuclear missile. I do not know. But there is information that in parts of Tibet certain arrangements were being made; for what purpose we do not know. It is not for us to say anything on that. The last question which the hon. Member asked is what we are going to do. I have already said that we stick to our policy of use of nuclear for peaceful purposes.

MR. CHAIRMAN: I reminded him of that. Next question. (Interruptions).

श्री रामानन्द यादव : मान्यवर पाकिस्तान हर तरह से न्युक्लियर वार-फेयर इक्विपमेंट अमरीका से पा रहा है। पाकिस्तान ने हाल ही में अपनी सी लाइन ग्रौर जिफेंस कम्यनिकेशन को मेन्टेन करने के लिए ग्रमरीका का जो सी लाइन कम्यनिकेशन के परशियन गल्फ ग्रौर अरेबियन सी का उस को मेन्टेन करने के लिये अमरीका पाकिस्तान को काफी रूप रे। सहायता कर रहा है । हाल ही में ग्रमरीका ने उस को डिस्टायर भी दिये हैं ग्रौर एयर ऋषट मिसाइल भी दिये हैं ग्रौर ऐंटी टैंक मिसाइल भी दिये हैं। न्यु क्लिथर इक्विपमेंट ग्रौर टो मिसाइल भी दिं। हैं और अटेक हेलीकोप्टर्स भी दिये हैं ग्रौर वेलकन फालेन सिस्टम गन भी ी है प्रौैं यही नहीं एलेक्ट्रोनिक क∓य- मेंट ग्रौर न्यूक्लियर वार हेड्स ग्रौर वार-फेयर मेटोरियल्स ग्रौर न्यूक्लियर विपन्स ग्रौर मिसाइल ग्रौर ग्राधुनिक ग्रस्त शस्त ले कर ग्रपने को सुसज्जित नहीं कर सकती क्या ग्राप ने इस दिशा में कोई बात सोची है ।

SHRI R. VENKATARAMAN: Sir, the hon. Member is right when he said that Pakistan is getting a number of lethal equipments. In fact, he has mentioned the communication system, the destroyers....

MR. CHAIRMAN: He forgot the harpoons.

SHRI R. VENKATARAMAN:...the vulcan phalank system, $an_{d SO}$ on. It is true that they are all being supplied to Pakistan. The question which the hon. Member asked is whether it has tilted the balance in favour of Pakistan.

DR. BHAI MAHAVIR: He never asked this...(Interruptions). He said that it has tilted.

SHRI R. VENKATARAMAN: He asked, and I have noted; you can verify.

MR. CHAIRMAN: He said that; he said ten times.

SHRI R. VENKATARAMAN: Ten times; that is what he said.

PROF. SOURENDRA BHATTA-CHARJEE: That would be an understatement.

SHRI R. VENKATARAMAN: Why do you stand in the way of my answering the question? And my answer is an emphatic. No, and I repeat, an emphatic No. So far as our defence preparedness is concerned, it is at it_s peak and it can meet any challenge from any quarter.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: Congratulations.

SHRI R. VENKATARAMAN: Next question he asked is whether we are trying to match it by purchases from friendly countries. My answer is yes; we are trying to equip ourselves with every kind of defence equipment regardless of the origin of that equipment. We get it from the Soviet Union; we get it from the western countries-purely on the merits of each case. If a particular missile, if a particular weapon, if a particular radar or any of the equipments is good in the particular area, we will buy it: it is based on the merits of each case and on the superiority of that particular weapon in respect of that particular area. Therefore, I want to assure the hon. Member and this House that OUT purchases are based on the merits of each weapon, and we are getting it from all countries wherever they are available. Hon. Members are aware that some months ago, I went to the Soviet Union and tried to get some of the very good and very specialised equipments from the Soviet Union and I must acknowledge, they are generous to help in this matter. Similarly, I went a few weeks back to Europe to study some of their arms which they use or intend to use in case of any difficulty for them. We have looked into these things and we are also going to buy some of them.

The last question was the Sea Harriers.

DR. HAREKRUSHNA MALLICK: And why should we not make it ourselves?

SHRI R. VENKATARAMAN: That is a different question; I will come to that. Now, the last question was about nuclear powered submarines. I have already said that we keep our options open in this matter; if necessary, we will go in for it. But then a nuclear-powered submarine is different from the nuclear submarine —with nuclear warheads. I have already said that we are not going to use atomic energy for anything but for peaceful purposes. Therefore, we will use it for a power; that is, it will be a nuclear power submarine instead of diesel power or steam power. It will be...

MR. CHAIRMAN: Only propulsion.

SHRI R. VENKATARAMAN: Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN: Mr. Goswami.

SOME HON. MEMBERS: Sir, Sir. ..

SHRI DINESH GOSWAMI: May I ask a question, Sir? (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: If every hon. Member will be brief, I shall be very happy. Otherwise, some Members who are on this side, may not get a chance. (Interruptions) Order, order.

SHRI DINESH GOSWAMI: Sir, after all, the information which Mr. Yadav has given, it appears, puts the position of the Defence Minister now at stake because Mr. Yadav seems to be more equipped to become the Defence Minister of this country. But leaving this aside, Sir, the hon. Minister has given the names of certain helping Pakistan countries who are directly or indirectly in the process of knowing the technical know-how of the bomb. And some of the research studies which have come out and which we have also read-I do not know how far those are correct-have revealed that on the question of the process of enriched uranium, France has helped Pakistan more because of economic reasons than because of political reasons. And also some information has come that the financial assistance for going in for this process of bomb has also come from Libya. Some of these countries are countries which are in the Non-aligned Movement and some of those are countries of the Commonwealth. Though the hon. Minister has said that this is not going to upset the balance so far as India and Pakistan are concerned, but the fact remains that Pakistan's acquiring a nuclear bomb will have

its own political impact in the subcontinent as well as in West Asia. Taking that into consideration, may I know whether the Government has opened up any diplomatic dialogue with those countries who are both in the Non-aligned Movement and the Commonwealth to see that they do not help Pakistan to go for the production of a nuclear bomb because this will upset and will create complications and a number of international problems not only relating to our country but also in the world as a whole?

SHRI R. VENKATARAMAN: Sir, in the Non-aligned Conference, we have emphasised that the nuclear disarmament should be the first and foremost concern of all the members of the Movement. And we have stressed it. I say this subject to correction because this is really the realm of my colleague, the Minister of External Affairs. Discussions with other countries is within his knowledge and I have only a peripheral information on this. But I can say this much that none of them deliberately gave a particular know-how for this purpose. They have been supplying different kinds of equipment which will go for the manufacture of the nuclear weapon. And it is too much to say that they did not know that it will be used for that purpose. This is all I can say.

SHRI DINESH GOSWAMI: I have also asked whether in the Commonwealth and the Non-aligned Movement you will pursue this matter with these countries that they do not help because they know that they are helping Pakistan in the preparation of Bomb. Or it will be too much of an assumption...

MR. CHAIRMAN: He has already said that. Now Mr. Maurya.

श्री बुद्धप्रिय मौर्यः माननीय सभापति जी जहां तक पाकिस्तान के ऐटम बम बनाने की बात है, यह बात मैंने दो साल पहले भी उठाई थी। सरकार का

14

उत्तर उस समय ज्यादा सच्चाई के नजदीक नहीं था और दुर्भाग्य है कि ग्राज भी सच्चाई के नजदीक नहीं है । मैं उसमें न जाते हुए यह जानना चाहंगा कि जहां तक हमारे रक्षा पर खर्च का सवाल है जी० एन॰ पी॰ के रेशियो का लिया जाए तो पिछले 17 वर्षों से यह रेशियो 3.5 से लेकर 3.7 के बीच में रहा है जबकि पाकिस्तान का रेशियो बहुत ऊंचा चला गया है। आपने पीक की बात भी कही। हमारी जहां तक रक्षा की तैयारी का सवाल है दे ग्रार ग्रान द पीक । ये शब्द हमने 1962 में भी सुने थे । उन शब्दों को न कहते तो ज्यादा ग्रच्छा था मैं जानना चाहता हूं कि इस सच्चाई को सामने रखते हए भारत सरकार रक्षा के लिये क्या यह सोच रही है कि इस पीक को म्रागे बढाया जायेगा ?

R. VENKATARAMAN: I SHRI thank the hon. Member and I am glad my colleague the Finance Minister is by my side today. I will certainly take it up.

MR. CHAIRMAN: You can certainly use the argument against him.

SHRI R. VENKATARAMAN: I will certainly use it very strongly against him and see if it is possible to increase the defence expenditure; but at the same time... (Interruptions). Mr. Chairman, I may be permitted to explain if they want the answer; if they have a question to ask, thev have plenty of opportunity. and L may be would say the whole hour taken for this question; it is very important question and I have no objection. My point really is, merely it does not depend on the percentage of the GNP or anything else. The efficiency of an army depends on its morale and our morale is very high. Secondly, we have the best available equipment in respect of conventional arms and, therefore, I have every confidence that the statement which I made that our preparedness

is at the peak, is absolutely correct and there is no doubt about it.

SHRI G. C. BHATTACHARYA; Sir, is the Minister aware that China has already granted, or is granting, their territory for explosion of atom bomb by Pakistan? Secondly, is the Minister aware that China has already supplied atomic explosion knowhow and Pakistan is on the verge of exploding the same? Thirdly I want to know whether China has already supplied to Pakistan nuclear equipments and atom bomb.

SHRI R. VENKATARAMAN: Sir. there have been some kind of reports that if Pakistan ever tries to explode a nuclear device, it might use Chinese territory; but I discount that kind of report.

MR. CHAIRMAN: The question is in defence of that theory.

SHRI R. VENKATARAMAN: Second question was whether they are giving any nuclear material to Pakistan. My answer is, we have no such information. Whatever information we have is that Pakistan is trying to develop its own capability for enrichment and we have no other information...(Interruptions). Last question was whether they are on the verge of exploding a bomb. There is no such information.

PROF. SOURENDRA BHATTA-CHARJEE: Sir, I have two parts of my question. It is very heartening to learn from the Defence Minister that-as Mr. Ramanand Yadav said-Pakistan is not stronger than India militarily speaking, and we are far strong and more capable.

MR. CHAIRMAN: What is the question?

PROF. SOURENDRA BHATTA-CHARJEE: You allow somebody fifteen minutes. But here, you do not wait even for one minute.

MR. CHAIRMAN: Please hurry up. There are so many others,

PROF. SOURENDRA BHATTA-CHARJEE: In view of this fact that India is quite stronger, whether there will be some panicky reaction—each and every bit of information may not be called for-on the part of India, in regard to some acquisition by any other country in the neighbourhood. This is my first question. My second question is, there are certain countries which are supplying certain equipment to Pakistan, may not be directly for the development of their nuclear capability. But at the same time, they cannot be unaware that this can be used for that purpose. I specifically remember in regard to Tarapur. The United States of America opted out of the agreement only because India refused to sign the Non-Proliferation Treaty. But in respect of Pakistan, the same guarantee was not demanded by the United States of America. The question is, whether the Government of India considers this act of the United States of America very unfriendly and hostile to India.

SHRJ R. VENKATARAMAN: Sir, -the first question is very relevant. The question whether India is going to be panicky and will have any hasty reaction. My answer is, India is a mature nation. It has a balance and judgement. It will not indulge in anything which is contrary to the natural activities of a nation which protects itself. Then, the second question is not really relevant, the question about Tarapur.

and the second secon

MR. CHAIRMAN: You can drop that. Mr. Kalyan Roy. (Interruptions)

PROF. SOURENDRA BHATTA-CHARJEE: My question was, in respect of Pakistan, they did not ask for the same guarantee while supplying equipment under this Act The question is, whether the Government of India considers this as an unfriendly act, I cited Tarapur by way of example.

MR. CHAIRMAN: Prof., this question only the United States can answer.

PROF SOURENDRA BHATTA-CHARJEE: Do you consider it unfriendly?

(Interruptions)

SHRI KALYAN ROY: Sir, while I congratulate the Defence Minister for making a very frank statement, nevertheless, is he not aware that a lot of information which is not available even to Members of Parliament because of secrecy, which is required in the Defence services, is now made available to our enemies because of espionage by air vice-marshals and generals? What has he got to say about it?

MR. CHAIRMAN: He is making a statement on this.

SHRI KALYAN ROY: I would reframe it. Is it a fact that some of our information, secret information, about nuclear programme has been divulged to Pakistan through the activities of some multi-national concerns, by one Air Vice-Marshal and one retired Major General?

SHRI R. VENKATARAMAN: We have no information that anything relating to our nuclear programme... (Interruptions) I can answer only one person. I cannot answer ten different people at the same time.

MR. CHAIRMAN: You are doing very well, Mr. Defence Minister.

SHRI R VENKATARAMAN: So far as this question is concerned. I have said that I am going to make a statement.

MR. CHAIRMAN: I said that this statement is due.

SHRI R. VENKATARAMAN We have no information on this

MR. CHAIRMAN: Mr. Jaswant Singh. Now, we will have military information.

SHRI JASWANT SINGH: I would like to specify my question to Pakistan's nuclear programme and not enter into a broader discussion on the defence policy, preparaedness and so Pakistan is following two nuon clear routes, in its objective of achieving nuclear capability. One is enriched uranium and the other is plutonium. The question which Ι have to ask relates to these two routes which Pakistan is following. I would request the hon. Defence Minister to share with us all the information the Government has. Is it correct that at the Wah ordinance factory components for the enriched uranium are manufactured? Does the Government have any information that two researchers in Wah Ordnance Factory were killed in August, in an accidental explosion which has set back the production of components for the enriched uranium route? Its it also correct that on account of an earth tremor which is mistakenly treated here as nuclear explosion the enriched uranium plant at Kahuta was damaged, gas pipes and other things were damaged and the result is that the plant is now closed? Now, this is as far as the enriched uranium is concerned. Is it also correct that these on account of delays... (Interruptions) Would you like Mr. Yadav to speak?

MR. CHAIRMAN: What do you want to know?

SHRI JASWANT SINGH: I am asking. As far as the plutonium route is concerned, what is the Government's information of the time frame within which Pakistan's nuclear capability, both in the enriched uranium and on the plutonium route, would come to a stage of frution? That is the question.

MR. CHAIRMAN: But how do we know that?

SHRI JASWANT SINGH: Would you like to rule out the question?

SHRI R. VENKATARAMAN: To the best of the information I have, I

will give the answer to the question. We have the information that...

MR. CHAIRMAN: That the accident took place

SHRI R. VENKATARAMAN: No, we do not know that. We have the information that there has been a set back in the Pakistans programme of enrichment of uranium, but this is not a verified information. It is just what everybody knows. Just as you have got the information, we have also got it

So far as plutonium route is concerned, they have to extract plutonium from the Karachi nuclear plant and it is unlikely that they will be able to get the amount of plutonium required within a short period. This is the second reply.

So far as the third question regarding earth tremor in Baluchistan is concerned, we have also read reports to that effect, but Government have no confirmed information on this. All that we can say is that there has been a tremor and it has been interpreted by different people in different ways. As far as the Defence Minister here is concerned, he will have to regard everything as a danger and, therefore, he is looking upon it as a... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: The ladies have become critical. Yes, Mrs. Usha Malhotra

SHRIMATI USHA MALHOTRA: Will the hon. Minister of Defence be pleased to state whether, keeping in view the activities which are going on along our border, our satellites are properly equipped to monitor back the movements of the enemy and also their other activities along the border? Secondly, are you in a position to manufacture indigenously the electronic equipment which we need for our modern warfare? (Interruptions) That is to protect ourselves and not to be used against anyone.

SHRI R. VENKATARAMAN: The first question is realy a suggestion that

MR. CHAIRMAN: What i_s wanted to be known is whether the present set up is such that it can give the information.

SHRI R. VENKATARAMAN: The answer to the present set up is no. The suggestion will be considered. (Interruptions) I thank you for the suggestion, what more do you want?

MR CHAIRMAN: I don't think you got 'yes' from him

SHRI R. VENKATARAMAN: So far as the electronic equipment is concerned, Sir, we have made a lot of leeway in this field. Of course, we have not caught up with the advanced countries. Even yesterday we have an international seminar on the semi-conductor electronics and the impression created amongst the visiting foreign scientists is that India i_s very well up in this field. This is all I can say.

MR. CHAIRMAN: Shri Manubhai Patel and last Mr. Shiva Chandra Jha

SHRI LADLI MOHAN NIGAM: You call Mr. Kalmadi also.

MR. CHAIRMAN: Mr. Kalmadi has given up.

SHRI MANUBHAI PATEL: I generally do not, but I would like to congratulate the Defence Minister heartily for announcing a firm policy of peaceful use of atomic energy.

MR CHAIRMAN: The Defence Minister has done exceedingly well in informing the House. We have all noted it and we do not need it from you.

SHRI MANUBHAI PATEL: You may not need it, but I want to congratulate him.

MR. CHAIRMAN: That is all right.

SHRI MANUBHAI PATEL: Because in the provocative conditions around the country and in the world, there are every chances of deviating onself or the Government from the original policy.

MR. CHAIRMAN: Yes, very well.

SHRI MANUBHAI PATEL: There is a danger-I am not on technical grounds...

MR CHAIRMAN: There are so many Members wanting to ask questions.

SHRI MANUBHAI PATEL: I am putting the question. I am not on technical things—like uranium etc. I am on policy matter and that too for the Government. There is no provocative danger from outside, but when a party member like Mr. Ramanand Yadav insists that Government should arm itself with atomic energy for defence purposes etc. there is a danger whether the Government will stand firm

SHRI RAMANAND YADAV: I am not a **

SHRI MANUBHAI PATEL: I know what you are. (Interruptions) The danger is within the party... (Interruptions) The policy might be deviated.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: He is not alone. Why are you interpreting it like that?

SHRI MANUBHAI PATEL: Then you go there.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: I am here. You go there. (Interruptions)

SHRI MANUBHAI PATEL: I am for the larger policy. I am for 'no war' and peaceful uses of atomic energy. (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please sit down.

SHRI RAMANAND YADAV: India will not explode a nuclear weapon.

**Expunged as ordered by the Chair

SHRI MANUBHAI PATEL: I know whose agent you are

SHRI DINESH GOSWAMI: Sir, this is the fall-out of the nuclear bomb.

MR. CHAIRMAN: Now that they have exploded all their nuclear weapons, come on and ask your question, otherwise I will ask you to sit down.

SHRI JAGDISH PRASAD MA-THUR: Mr Ramanand Yadav said: "I am not a** By implication he means that he is a**. That should be looked into.

MR. CHAIRMAN: I have not heard it.

SHRI JAGDISH PRASAD MA-THUR: This should be expunded and he should withdraw it. Let him say: "I withdraw it". He should be honest enough to withdraw it.

श्वी रामानन्द यादव : लेकिन एक बात है मैं प्राऊड हूं कि मैं यह चीज डिमांड करता हूं कि देशकी सेना को ग्राधुनिक जस्त्रों से सुसज्जित किया जाए ताकि हम ग्रपने दुश्मनों से लड़ सकें। मैं किसी बाहर के मुल्क का खरीदा हुग्रा व्यक्ति नहीं हूं इसी बात से मुझे लगा कि श्री मनुभाई पटेल** हैं। ग्रगर यह डिनाई करते हैं तो मैं उटा लेता हूं। (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I did not hear the word **because there was so much cross-talking. I think it will have to be withdrawn. Please expunge it.

श्री मनुभाई पटेल : मैं तो सरकार को इसोलिए धन्यवाद दे रहा था कि सरकार ने गांधीवादी विचारों को विग्व-शान्ति के लिए ग्रपने सामने रखा है। मैं तो इसकी तारीफ कर रहा था ग्रौर इसी सिलसिले में कह रहा था कि विग्व-शान्ति भग होने का भय है उस समय

**Expunged as ordered by the Chair.

भी सरकार मजबूती से खड़ी है लेकिन रामानन्द यादव जो जैसे सदस्य यह कहते हैं कि सरकार को बाहर का भय है लेकिन मैं यह कहता हूं कि बाहर के भय से ज्यादा तो ग्रन्दर का है । मैं यह जानना चाहता हू कि चाहे सरकार के ऊपर अन्दर से कितना भी प्रेशर ग्राए ग्रपने मैम्बरों का क्या हमारी जो पीसफुल युग्न ग्राफ एटोमिक इनर्जी की नीति है उसको छोड़ेंगे या नहीं छोड़ेंगे ?

MR. CHAIRMAN: That he has already answered.

SHRI R. VENKATARAMAN: Mr. Chairman, this is an example of internal democracy in our party.

SHRI MANUBHAI PATEL: On policy?...(Interruptions)...

MR. CHAIRMAN: I think you can give them an assurance that we are not abandoning our policy.

SHRI R. VENKATARAMAN: All that I say is, several Members can express several opinions; Government will take into account all the opinions expresed. And Government, after taking into account all these opinions, has come to the firm conclusion that nuclear energy should be used only for peaceful purposes.

MR. CHAIRMAN: Mr. Jha, last question. I am afraid the time is up.

श्री शिव चन्द्र झा: सभापति महोदय मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हुं कि मंत्री महोदय या सरकार को पता है कि पाकिस्तान का अमेरिका से सीकेट एग्रीमेंट है जिसमें यह भी बात है कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका का रेडीमेड एटम बम भी इस्तेमाल के लिए मिलेगा इनका अपना बने या न बने उसका मिलेगा ?

दूसरा ग्रौर ग्राखिरी सवाल है सभा-पति महोदय कि भारत की न्युक्लीयर पालिसी शांति के लिए है बिल्कुल हम लोग सहमत हैं। लेकिन मैं जानना चहता हूं कि शांति की नीति के लिए जो एटामिक एनर्जी के टैस्ट की जरूरत होती है जैसे पोखरान टेस्ट ग्रापने किया तो उसके बाद फिर कोई टैस्ट करने जा रहे हैं या नहीं ?

श्री सभापति : यह तो बताएंगे ही नहीं कभी ।

SHRI R. VENKATARAMAN: Sir, so far as the first question is concerned, that can be answered only either by Pakistan or the United States. Whether they have an agreement or not, we do not know; we have no information on this.

श्वी शिव चन्द्र झा : सीकेट एक्ट में है कि नहीं ? यह बात ग्राई है । सीकेट एक्ट ग्रमेंडमेंट में यह क्लाज है यह क्षमता बढ़ाई है ताकि जरूरत पड़ने पर ग्रमेरिका यह भी मदद दे सके ।

श्री सभापति : इनके पास नकल है उसकी ?

SHRL R. VENKATARAMAN: All right. Then let him pass on that information to the Government; we will see it.

श्री शिव चन्द्र झा : दूसरा पार्ट पोखरान एक्सपलोजन के बाद पीसफुल परफ्जेज के लिए भी कया कोई दूसरा एक्सफ्लोजन करने जा रहे हैं या नहीं यह दूसरा पार्ट है ।

MR. CHAIRMAN: Mr. Defence Minister, he is very anxious to know whether you are going to explode another nuclear device or not. You can't answer that.

SHRI R. VENKATARAMAN: How many times I have to affirm? I have, in the course of these forty-five minutes, said at least six times that we stick to this policy.

MR. CHAIRMAN: They are not satisfied. Question No. 182.

Promotion of Tourism in the Kumaon Region of Uttar Pradesh

*182. SHRI KRISHNA NAND JO-SHI: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state the special measures Government have taken to boost tourism in the Kumaon region of Uttar Pradesh during the remaining part of the current financial year?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI ASHOK GEHLOT): A statement is laid before the House.

Statement

1. The Central Department of Tourism sanctioned Rs. 6.25 lakhs to the State Government in 1981-82 for the purchase of trekking equipment for use in the Himalayan Region of U.P.

2. A Youth Hostel has been constructed by the Central Department of Tourism in Nainital for which funds amounting to Rs. 4.17 lakhs have been released to the State Government. The Youth Hostel was commissioned in 1976.

3. The Central Government is considering the provision of assistance for sailing boats on Nainital Lake.

4. In the Second Five Year Plan, the Central Government wholly financed Rest Houses on the Kailash Mansarovar route and also provided 50 per cent assistance for other Rest Houses in Kumaon.

5. One of the three travel circuits in U.P. identified jointly with the State Government for intensive development is located in Kumaon.

Kapkot - Loharkhet - Dhankuri -Khati - Dwali ₋ Phurkiya - Pindari Glacier and back